CIPET :CSTS - RANCHI के बारे में

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET) (जिसे पहले सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET)) के नाम से जाना जाता था) की स्थापना 1968 में भारत सरकार ने चेन्नई में यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (UNDP) की सहायता से की थी। इस विशेष संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों में जनशक्ति का विकास करना था क्योंकि देश में कोई समान संस्थान अस्तित्व में नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने निष्पादन एजेंसी के रूप में कार्य किया। 1968 और 1973 के बीच शुरुआती परियोजना अवधि के दौरान, संस्थान ने परिकल्पित लक्ष्यों को प्राप्त किया और दुनिया भर में लागू सबसे सफल UNDP परियोजनाओं में से एक के रूप में मूल्यांकन किया गया। आज CIPET, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तहत उच्च और तकनीकी शिक्षा के लिए एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। CIPET पूरी तरह से प्लास्टिक के सभी क्षेत्रों में समर्पित है: - डिजाइन, सीएडी / सीएएम / सीएई, टूलींग और ढालना विनिर्माण, उत्पादन इंजीनियरिंग, परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन। पॉलिमर और संबद्ध उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश भर में फैले विभिन्न स्थानों से CIPET संचालित होता है।

CIPET: CSTS - रांची की स्थापना वर्ष 2017 में झारखंड और अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों में प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी। यह संस्थान रांची में भगवान बिरसा मुंडा की पवित्र भूमि में स्थित है और प्रशासनिक भवनों, छात्रावास, कार्यशालाओं और अतिरिक्त गतिविधियों के लिए पर्याप्त हरे भरे परिदृश्य के साथ 13.00 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और डिजाइन, सीएडी में कला सुविधाओं की स्थिति से सुसज्जित है। / सीएएम / सीएई, टूलिंग, प्लास्टिक प्रसंस्करण, परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण सेवाएं, ताकि प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों की ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

केंद्र की सुविधाओं को भारत सरकार और झारखंड सरकार के संयुक्त समर्थन के माध्यम से आधुनिक बनाया गया है। संस्थान अच्छी तरह से उन्नत सीएडी सॉफ्टवेयर के साथ ऑडियो विजुअल सुविधाओं और कंप्यूटरों से सुसज्जित है। CIPET: CSTS - रांची विशेष रूप से झारखंड राज्य के बेरोजगार / कम / बेरोजगार / वंचित युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक कार्यक्रम और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही झारखंड राज्य में प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों और उनकी वृद्धि के लिए तकनीकी सहायता सेवाएं प्रदान करना हमरी प्रथमिकता है ।

झारखंड में प्लास्टिक उद्योग की वृद्धि और आसपास के मौजूदा प्लास्टिक और संबद्ध उद्योगों के विस्तार को ध्यान में रखते हुए और प्रशिक्षित जनशक्ति की मांग झारखंड में बढ़ती जा रही है। उसी को पूरा करने के लिए निम्नलिखित दीर्घकालिक पाठ्यक्रम CIPET: CSTS - रांची में शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से आयोजित किए जाते हैं।

1. प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में डीआईपीएलओएमए (डीपीटी)
2. प्लास्टिक मोल्ड प्रौद्योगिकी में डीआईपीएलओएमए (डीपीएमटी)

****